परिशिष्ट "A"

पाठ्यक्रम संरचना

कक्षा–XII

विषय–इतिहास (101)

सैद्धांतिक – 80

पूर्णांक – 100 प्रायोजना – 20

स. क्र.	इकाई एवं पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	कालखण्ड
भाग–I			
1	ईंट, मनके तथा अस्थियाँ : हड़प्पा सभ्यता	06	16
2	राजा, किसान और नगरः आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600ई.पू. से 600 ईसवी)	06	16
3	बंधुत्व, जाति तथा वर्ग : आरंभिक समाज (लगभग 600ई.पू. से 600 ईसवी)	06	16
4	विचारक, विश्वास और इमारते : सांस्कृतिक विकास (लगभग 600ई.पू. से ई.सं.600 तक)	07	16
भाग–II			
5	यात्रियों के नजरियें : समाज के बारे में उनकी समझ (लगभग 10वीं से 17वीं सदी तक)	06	16
6	भक्ति–सूफी परम्पराएँः परंपराएँ, धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग 8वीं से 18वीं सदी तक)	07	16
7	एक साम्राज्य की राजधानी : विजयनगर (लगभग 14वीं से 16वीं सदी तक)	06	16
8	किसान, जमींदार और राज्य–कृषि, समाज एवं मुगल साम्राज्य (16वीं और 17वीं सदी)	06	16
भाग–III			
9	उपनिवेशवाद और देहातः सरकारी अभिलेखों का अध्ययन	04	12
10	विद्रोही और राज्य : 1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान	06	14
11	महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आंदोलन : सविनय अवज्ञा और उससे आगे	05	12
12	संविधान का निर्माण : एक नये युग की शुरूआत	05	12
13	दक्षिण कौशल : छत्तीसगढ़ का इतिहास प्रागैतिहासिक काल से 1741 ईसवी तक	05	12
14	नक्शा कार्य	05	10
	योग	80	200
	प्रायोजना कार्य	20	20
	महायोग	100	220

परिशिष्ट "B"

प्रश्नपत्र योजना

कक्षा XII

विषय–इतिहास (101)

कुल अंक – 80 समय – 03:00 घण्टे

"A"शैक्षिक उद्देश्य अनुसार अंक विभाजन

क्र.	प्रश्नों के प्रकार	वस्तुनिष्ठ (MCQ+ VSA) 01	लघु उत्तरीय (SA-I) 02	लघु उत्तरीय (SA-II) 03	दीर्घ उत्तरीय (LA) 05	अतिदीर्घ उत्तरीय (VLA) 06	कुल अंक	% अधिभार
1.	**ज्ञानात्मक (Knowledge)** परिभाषा, सिद्धांत, तथ्यों को पहचानना, सूचना इत्यादि पर आधारित सामान्य स्मरण क्षमता पर आधारित प्रश्न	10	-	-	-	01	16	20%
2.	**अवबोधात्मक (Understanding)** अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना, वैचारिक समझ, भावानुवाद	-	01	01	2+1(Map)	-	20	25%
3.	**अनुप्रयोगात्मक (Application)** उदाहरण सहित/संदर्भ और समझ के आधार पर दी गई नयी परिस्थितियों को समझाना/सिद्धांत के समाधान/हल निकालना	-	4	2	-	1	20	25%
4.	**विश्लेषणात्मक(Analysis)** [HOTS] वर्गीकृत, तुलनात्मक, व्याख्या विभिन्न स्त्रोतों पर आधारित विशेष जानकारी को समाहित करना/ एकीकरण /सुसंगठित करना/अंतर	-	-	1	1	-	8	10%
5.	**मूल्यांकन (Evaluation)** मूल्यांकन करना/समीक्षा करना/मूल्य निर्धारण/निष्कर्ष निकालना/चयन करना /तर्क आधारित	-	-	1	1	-	8	10%
6.	**रचनात्मक (Creation/Creativity)** सृजन करना/पूर्वानुमान/योजना बनाना/परिकल्पना/संगठित करना	-	1	-	-	1	8	10%
	योग	**1(10)=10**	**2(6)=12**	**3(5)=15**	**5(5)=25**	**6(3)=18**	**80**	**100%**

"B"-प्रश्नानुसार विभाजन

क्र.	प्रश्नों के प्रकार	प्रत्येक प्रश्न पर आबंटित अंक	कुल प्रश्न	कुल अंक
1	1. वस्तुनिष्ठ (MCQ+VSA)	**10**	**1(10)**	**10**
2	2. लघुउत्तरीय प्रश्न (SA-I)	**02**	**06**	**12**
3	3. लघुउत्तरीय प्रश्न (SA-II)	**03**	**05**	**15**
4	4. दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA)	**05**	**04**	**20**
5	5. अति दीर्घउत्तरीय प्रश्न (VLA)	**06**	**03**	**18**
6	6. नक्शा आधारित (MAP)	**05**	**01**	**5**
		कुल योग	**19+1(10)=20**	**80**

"C"-कठिनाई स्तर अनुसार विभाजन

क्र.	कठिनाई स्तर	कुल अंक	प्रतिशत
1.	सरल (E)	**24**	30%
2.	औसत (AV)	**40**	50%
3.	कठिन (D)	**16**	20%
	योग	**80**	100%

परिशिष्ट – "C"

ब्लूप्रिंट

कक्षा–XII

विषय–इतिहास (101)

कुल अंक – 80 समय – 03:00 घण्टे

क्र	इकाई एवं पाठ्यवस्तु ↓	अंको का अधिभार ↓	वस्तुनिष्ठ (MCQ+VSA)	लघु उत्तरीय (SA-I)	लघु उत्तरीय (SA-II)	दीर्घ उत्तरीय (LA)	अति दीर्घ उत्तरीय (VLA)	कुल अंक	कुल प्रश्नों की संख्या
		अंक →	01	02	03	05	06		
	भाग – 01	25							
1	ईटे, मनके तथा अस्थियां : हड़प्पा सभ्यता	6	1	0	0	1*	0	6	1(1)
2	राजा, किसान और नगर : आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ	6	1	1	1	0	0	6	2(1)
3	बंधुत्व, जाति तथा वर्ग : आरम्भिक समाज	6	1	1	1	0	0	6	2(1)
4	विचारक, विश्वास और इमारते : सांस्कृतिक विकास	7	1	0	0	0	1*	7	1(1)
	भाग – 02	25							
5	यात्रियों के नजरियें : समाज के बारे में उनकी समझ	6	1	1	1	0	0	6	2(1)
6	भक्ति सूफी परम्पराएँ : परंपराएँ, धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रथं	7	1	0	0	0	1*	7	1(1)
7	एक साम्राज्य की राजधानी : विजयनगर	6	1	0	0	1*	0	6	1(1)
8	किसान, जमींदार और राज्य – कृषि, समाज एवं मुगल साम्राज्य (16वीं–17वीं शताब्दी ई0)	6	1	1	1	0	0	6	2(1)
	भाग – 03	25							
9	उपनिवेशवाद और देहात : सरकारी अभिलेखों का अध्ययन	4	0	2	0	0	0	4	2(0)
10	विद्रोही और राज्य : 1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान	6	0	0	0	0	1*	6	1(0)
11	महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आंदोलन : संविनय अवज्ञा और उससे आगे	5	0	0	0	1*	0	5	1(0)
12	संविधान का निर्माण : एक नये युग की शुरूआत	5	0	0	0	1*	0	5	1(0)
13	दक्षिण कौशल : छत्तीसगढ़	5	2	0	1	0	0	5	1(2)
14	नक्शा आधारित अंक	5	0	0	0	1*	0	5	1(0)
	योग	80	1(10)=10	2(6)=12	3(5)=15	5(5)=25	6(3)=18	80	19+1(10) =20

नोट :– 1. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के दो भाग होंगे। खण्ड 'अ' में 05 बहुविकल्पीय (MCQ) प्रश्न एवं खण्ड "ब" में 05 अतिलघुउत्तरीय (VSA) प्रश्न होंगे।

2. * तारांकित प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिये जायेगे।

3. योग में कोष्ठक के बाहर की संख्या अंको को एवं कोष्ठक के अंदर की संख्या प्रश्नों की संख्या दर्शाती है।

परिशिष्ट – "C-01"

प्रश्नपत्र संरचना
कक्षा – 12वीं
विषय–इतिहास (101)

कुल अंक 80 **समय – 03:00 घण्टे**

1. प्रश्न क्र0–1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिसमें दो खण्ड होंगे :–
   (i) **"खण्ड–अ" में 05 बहुविकल्पीय** (MCQ) प्रश्न होगें। जिसमें प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।
   (ii) **खण्ड–"ब" में 05 अतिलघुउत्तरीय** (VSA) प्रश्न होंगे। जिसमें प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।
2. प्रश्न क्र0–02 से प्रश्न क्र. 07 तक लघुउत्तरीय (SA-I) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **02** अंक निर्धारित है। (शब्द सीमा अधिकतम **30** शब्द)
3. प्रश्न क्र0– 08 से प्रश्न क्र0 12 तक लघुउत्तरीय (SA-II) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **03** अंक निर्धारित है। (शब्द सीमा अधिकतम **50** शब्द)
4. प्रश्न क्र0 13 से प्रश्न क्र0 16 तक दीर्घउत्तरीय (LA) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **05** अंक निर्धारित है। (शब्द सीमा अधिकतम **100–150** शब्द)
5. प्रश्न क्र0 17 नक्शा आधारित प्रश्न होगा, जिसमें **05** अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र0 18 से प्रश्न क्र0 20 तक अति दीर्घउत्तरीय (VLA) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **06** अंक निर्धारित है। (शब्द सीमा अधिकतम **150–200** शब्द)

टीप :–

- प्रश्न क्रमांक 13 से प्रश्न क्रमांक 20 तक आंतरिक विकल्प होंगे।
- दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये नक्शे के स्थान पर सैद्वांतिक प्रश्न होंगे।
- प्रश्न क्र.01 को एक साथ ही हल करना अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम
कक्षा – XII
विषय – इतिहास (101)

सैद्धांतिक अंक–80 **समय–3:00 घण्टे**

भाग–1 – भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय : एक – ईंटें, मनके तथा अस्थियाँ– हड़प्पा सभ्यता 06 अंक 16 कालखण्ड

भूमिका, आरंभ, निर्वाह के तरीके – कृषि प्रौद्योगिकी, मोहनजोदड़ों– एक नियोजित शहरी केन्द्र नालों का निर्माण, गृह स्थापत्य, दुर्ग, **सामाजिक भिन्नताओं का अवलोकन**– शवाधान, 'विलासिता' की वस्तुओं की खोज **शिल्प उत्पादन के विषय में जानकारी**– उत्पादन केन्द्रों की पहचान, **माल प्राप्त करनें संबंधी नीतियाँ**– उपमहाद्वीप तथा उसके आगे से आने वाला माल, सुदुर क्षेत्रों से संपर्क, **मुहरें, लिपि तथा बाट**– मुहरें और मुद्रांकन, एक रहस्यमय लिपि, बाट, **प्राचीन सत्ता**– प्रासाद तथा शासक **सभ्यता का अंत, हड़प्पा सभ्यता की खोज**– कर्निंघम का भ्रम, एक नवीन प्राचीन सभ्यता, नयी तकनीकें तथा प्रश्न, **अतीत को जोड़कर पूरा करनें की समस्याएँ**– खोजों का वर्गीकरण, व्याख्या की समस्याएँ।

अध्याय : दो – राजा, किसान और नगर : आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ (लगभग 600ई0पू0 से 600 ई0)

06 अंक 16 कालखण्ड

भूमिका, प्रिंस और पियदस्सी, प्रारंभिक राज्य– 16 महाजनपद, 16 महाजनपदों में प्रथम मगध। एक आरंभिक राज्य– मौर्य वंश के बारे में जानकारी प्राप्त करना, साम्राज्य का प्रशासन, मौर्य साम्राज्य कितना महत्वपूर्ण था?। राजधर्म के नवीन सिद्धांत– दक्षिण के राजा और सरदार, दैविक राजा। बदलता हुआ देहात– जनता में राजा की छबि, उपज बढ़ाने के तरीके, ग्रामीण समाज में विभिन्नताएँ, भूमि दान और नये संभ्रात ग्रामीण। नगर एवं व्यापार– नये नगर, नगरीय जनसंख्या, उपमहाद्वीप उसके बाहर का व्यापार, सिक्के और राजा। मूल बातें– अभिलेखों का अर्थ कैसे निकाला जाता है?– ब्राह्मी लिपि का अध्ययन, खरोष्ठी लिपि को कैसे पढ़ा गया?, अभिलेखों से प्राप्त ऐतिहासिक साक्ष्य। अभिलेख साक्ष्य की सीमा।

अध्याय : तीन – बंधुत्व, जाति तथा वर्ग : आरंभिक समाज (लगभग 600 ई.पू. से 600 ईसवी)

06 अंक 16 कालखण्ड

महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण, बंधुता एवं विवाह– परिवारों के बारें में जानकारी, पितृवंशिक व्यवस्था के आदर्श, विवाह के नियम, स्त्री का गोत्र, क्या माताएँ महत्वपुर्ण थी? **सामाजिक विषमताएँ**– उचित जीविका, अक्षत्रिय राजा, जाति और सामाजिक गतिशीलता, चार वर्णो के परे–

एकीकरण, अधीनता और संघर्ष, **जन्म के परे**– संपत्ति पर स्त्री और पुरुष के भिन्न अधिकार, वर्ण और संपत्ति के अधिकार, एक वैकल्पिक सामाजिक रूपरेखा: संपत्ति में भागीदारी, **सामाजिक विषमताओं की व्याख्या, साहित्यिक स्त्रोतों का इस्तेमाल**– इतिहासकार औेर महाभारत, भाषा एवं विषय वस्तु, लेखक (एक या कई) और तिथियॉ, सदृशता की खोज **एक गतिशील ग्रंथ**।

अध्याय : चार – विचारक विश्वास और इमारतें : सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

07 अंक 16 कालखण्ड

साँची की एक झलक, पृष्ठभूमि– यज्ञ और विवाद, यज्ञों की परम्परा, नयें प्रश्न, वाद विवाद और चर्चाएँ, **लौकिक सुखों से आगे**– महावीर का संदेश, जैन धर्म का विस्तार, **बुद्ध और ज्ञान की खोज, बुद्ध की शिक्षाएँ, बुद्ध के अनुयायी, स्तूप**– क्यों बनाएँ जाते थें? स्तूप कैसे बनाएँ गये? स्तूप संरचना, **स्तूपो की 'खोज',** अमरावती और सॉची की नियति, **मूर्तिकला**– पत्थर में गढ़ी कथाएँ, उपासना के प्रतीक लोक परम्पराएँ, **नयी धार्मिक परंपराएँ**– महायान बौद्ध मत का विकास, पौराणिक हिन्दु धर्म का उदय, मंदिरों का बनाया जाना, **क्या हम सब कुछ देख–समझ सकते हैं?**– अनजाने को समझने की कोशिश, लिखित और दृश्य का मेल न हो तो.....।

भाग–2 – भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय : पाँच – यात्रियों के नजरियें : समाज के बारे में उनकी समझ (लगभग 10वीं से 17वीं सदीं तक)

06 अंक 16 कालखण्ड

भूमिका, अल–बिरूनी तथा किताब–उल–हिन्द– ख्जारिज्म से पंजाब तक, किताब–उल–हिन्द। इब्न बतूता का रिह्ला– एक आरंभिक विश्व–यात्री, जिज्ञासाओं का उपभोग। फ्रांस्वा बर्नियर : एक विशिष्ट चिकित्सक– "पूर्व" और "पश्चिम" की तुलना। एक अपरिचित संसार की समझ अल–बिरूनी तथा संस्कृतवादी परंपरा– समझने में बाधाएँ और उन पर विजय, अल–बिरूनी का जाति व्यवस्था का विवरण। इन्ब बतूता तथा अनजाने को जानने की उत्कंठा– नारियल तथा पान, इब्न बतूता और भारतीय शहर, संचार की एक अनूठी प्रणाली। बनिर्यर तथा " अपविकसति" पूर्व– भूमि स्वामित्व का प्रश्न, एक अधिक जटिल सामाजिक सच्चाई। महिलाएँ : दासियाँ, सती तथा श्रमिक।

अध्याय : छः – भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ– धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ

(लगभग 8वीं से 18वीं सदी तक) **07 अंक 16 कालखण्ड**

भूमिका, **धार्मिक विश्वासों और आचरणों की गंगा–जमुनी बनावट**– पूजा प्रणालियों का समन्वय, भेद और संघर्ष, **उपासना की कविताएँ– प्रारंभिक भक्ति परंपरा**– तमिलनाडु के अलवार और नयनार संत, जाति के प्रति दृष्टिकोण, स्त्री भक्त, राज्य के साथ संबंध, **कर्नाटक की वीरशैव परंपरा, उत्तरी भारत में धार्मिक उफ़ान, दुशाले के नए ताने–बाने: इस्लामी परंपराएँ**– शासकों और शासितों के

धार्मिक विश्वास, लोक प्रचलन में इस्लाम, समुदायों के नाम, **सूफ़ीमत का विकास**– ख़ान्क़ाह और सिलसिला, ख़ान्क़ाह के बाहर, **उपमहाद्वीप में चिश्ती सिलसिला**– चिश्ती ख़ानक़ाह में जीवन, चिश्ती उपासना : ज़ियारत और कव्वाली, भाषा और संपर्क, सूफी और राज्य, **नवीन भक्ति पंथ– उत्तरी भारत में संवाद और असहमति**– दैवीय वस्त्र की बुनाई : कबीर, बाबा गुरूनानक और पवित्र शब्द, मीराबाई भक्तिमय राजकुमारी, **धार्मिक परंपराओं के इतिहासों का पुनर्निर्माण।**

<u>अध्याय : सात</u> – एक साम्राज्य की राजधानी : विजयनगर (लगभग 14वीं से 16वीं सदी तक)

06 अंक 16 कालखण्ड

भूमिका, हम्पी की खोज, राय, नायक तथा सुल्तान– शासक और व्यापारी, राज्य का चरमोत्कर्ष तथा पतन, राय तथा नायक। विजयनगर– राजधानी तथा उसके परिप्रदेशः जलसम्पदा, किले बंदियाँ तथा सड़कें, शहरी केन्द्र। राजकीय केन्द्र– महानवमीं डिब्बा, राजकीय केन्द्र में स्थित अन्य भवन। धार्मिक केन्द्र– राजधानी का चयन, गोपुरम और मण्डप, महलों, मंदिरों तथा बाजारों का अंकन, उत्तरों की खोज में प्रश्न।

<u>अध्याय : आठ</u> – किसान, ज़मींदार और राज्य : कृषि समाज और मुग़ल साम्राज्य

(लगभग 16वीं और 17वीं सदी तक) 06 अंक 16 कालखण्ड

भूमिका, **किसान और कृषि उत्पादन**– स्त्रोतों की तलाश, किसान और उसकी जमीन, सिंचाई और तकनीक, फसलों की भरमार, **ग्रामीण समुदाय**– जाति और ग्रामीण माहौल, पंचायतें और मुखियाँ, ग्रामीण और दस्तकार, "एक छोटा गणराज्य"? **कृषि समाज में महिलाएँ, जंगल और कबीले**– बसे हुए गांवों के परे, जंगलों में घुसपैठ **जमींदार, भू–राजस्व प्रणाली, चाँदी का बहाव, अबुल फ़ज़्ल की आइन–ए–अकबरी।**

<u>भाग–3 – भारतीय इतिहास के कुछ विषय</u>

<u>अध्याय : नौ</u> – उपनिवेशवाद और देहात : सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

04 अंक 12 कालखण्ड

भूमिका, बंगाल और वहाँ के जमींदार– बर्दवान में किये गये नीलामी की एक घटना, अदा न किये गये राजस्व की समस्या, राजस्व के राशि के भुगतान में जमींदार क्यो चूक करते थे?, जोतदारों का उदय, जमींदार की ओर से प्रतिरोध, पाँचवी रिपोर्ट। कुदाल और हल– राजमहल की पहाड़ियों में, संथाल : अगुआ बाशिंदे, बुकानन का विवरण। देहात में विद्रोह–बम्बई दक्कन, लेखा बहियाँ जला दी गई, एक नयी राजस्व प्रणाली, राजस्व की माँग और किसान का कर्ज, फिर कपास में तेजी आई, ऋण का स्त्रोत सूख गया, अन्याय का अनुभव। दक्कन दंगा आयोग।

अध्याय : दस – **विद्रोही और राज– 1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान**

06 अंक 14 कालखण्ड

भूमिका, **विद्रोह का ढर्रा–** सैन्य विद्रोह कैसे शुरू हुए, संचार के माध्यम, नेता और अनुयायी, अफ़वाहे और भविष्यवाणियां, लोग अफ़वाहो में विश्वास क्यों कर रहे थे?, **अवध में विद्रोह–** देह से जान जा चुकी थी, फिरंगी राज का आना और एक दुनिया का खात्मा। विद्रोही क्या चाहते थे?– एकता की कल्पना, उत्पीड़न के प्रतीकों के खिलाफ, वैकल्पिक सत्ता की तलाश। **दमन, विद्रोह की छवियाँ–** रक्षकों का अभिनन्दन, अंग्रेज औरतें और ब्रिटेन की प्रतिष्ठा, प्रतिशोध और सबक, दहशत का प्रदर्शन, दया के लिए कोई जगह नहीं, राष्ट्रवादी दृश्य कल्पना।

अध्याय : ग्यारह – **महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आंदोलन (सविनय अवज्ञा और उससे आगे)**

05 अंक 12 कालखण्ड

भूमिका, **स्वंय की उद्घोषणा करता एक नेता, असहयोग की शुरूआत और अंत–** एक लोकप्रिय आंदोलन की तैयारी, जननेता **नमक सत्याग्रह–** नजदीक से एक नजर, दाण्डी, संवाद। **भारत छोड़ो, आखिरी, बहादुराना दिन, गाँधी को समझना–** सार्वजनिक स्वर और निजी लेखन, छवि गढ़ना, पुलिस की नजर से, अखबारों से।

अध्याय : बारह – **संविधान का निर्माण–एक नए युग की शुरूआत**

05 अंक 12 कालखण्ड

भूमिका, **उथल–पुथल का दौर–** संविधान सभा का गठन, मुख्य आवाजें, **संविधान की दृष्टि–** लोगों की इच्छा, **अधिकारों का निर्धारण–** पृथक निर्वाचिका की समस्या, "केवल इस प्रस्ताव से काम चलने वाला नही है", "हमें हजारों साल तक दबाया गया है", **राज्य की शक्तियाँ–** "केन्द्र बिखर जाऐगा", "आज हमें एक शक्तिशाली सरकार की आवश्यकता है" **राष्ट्र की भाषा–** हिन्दी की हिमायत, वर्चस्व का भय।

अध्याय : तेरह – **दक्षिण कोसल (छत्तीसगढ़) का इतिहास प्रागैतिहासिक काल से 1741 ईसवी तक**

05 अंक 12 कालखण्ड

भूमिका, भौगोलिक स्थिति, वर्षा, मिट्टी, मौसम, क्षेत्रफल, जिले एवं संभाग, वन, छत्तीसगढ़ की प्रमुख नदियाँ, खनिज संपदा, कृषि, उद्योग, छत्तीसगढ़ का नामकरण।

दक्षिण कोसल (छत्तीसगढ़) के प्रमुख राजवंश– (प्रागैतिहासिक काल से 1741 ई. तक) –ऐतिहासिक परिचय, रामायण काल, बौद्धकाल (ईसा पूर्व छठी शताब्दी), मौर्यकाल, सातवाहन काल गुप्त काल, नल वंश, शरभपुरीय वंश, पाण्डु/सोम वंश, महाशिवगुप्त बालार्जुन, छिंदक नागवंश, कवर्धा

का फणि नागवंश, कांकेर का सोमवंश, रतनपुर का कलचुरि (हैहय) राजवंश (990–1741ई.), कलिंगराज (990 से 1020 ई.),कमलराज (1020 से 1045 ई.),रत्नदेव/रत्नराज प्रथम (1045 से 1065 ई.), पृथ्वीदेव प्रथम (1065 से 1090 ई.), जाजल्लदेव प्रथम (1090 से 1120 ई.) रत्नदेव द्वितीय (1120 से 1135 ई.), पृथ्वीदेव द्वितीय (1135 से 1165 ई.), जाजल्लदेव द्वितीय (1165 से 1168 ई.), जगदेव (1168 से 1178 ई.), रतनदेव तृतीय (1178 से 1198 ई.), प्रतापमल्ल (1198 से 1225 ई.), अंधकारयुग, कल्याणसाय (1544 से 1581 ई.), तख्तसिंह, राजसिंह(1689 से 1712 ई.), सरदार सिंह (1712 से 1732 ई.), **भोंसलो का आक्रमण** रघुनाथ सिंह (1732 से 1743 ई.), कलचुरि शासन का अंत, कलचुरी कालीन शासन व्यवस्था, सामाजिक स्थिति, आर्थिक स्थिति,

छत्तीसगढ़ में धार्मिक गतिविधियाँ– वैष्णव मत, शैव मत, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, कबीर पंथ, सतनामी पंथ, इस्लाम धर्म, ईसाई धर्म, **शिक्षा, साहित्य एवं भाषा, कला एवं स्थापत्य,** चित्रकला, मंदिर वास्तु, सिरपुर का लक्ष्मण मंदिर, भोरमदेव का मंदिर।

अध्याय : चौदह – नक्शा कार्य **05 अंक** **10 कालखण्ड**

योग	80	200
प्रायोगिक	20	20
महायोग	100	220

परिशिष्ट – "A-01"

प्रायोजना कार्य

कक्षा– XII

विषय–इतिहास (101)

अंक – 20

समय – 02:00 घण्टे

मूल्यांकन योजना

स.क्र.	विषयवस्तु	अंक	
1.	प्रायोजना रिकार्ड	05 अंक	
2.	प्रायोजना कार्य परीक्षा		
	(i) स्पष्टीकरण/व्याख्या	03 अंक	10 अंक
	(ii) प्रस्तुतीकरण	03 अंक	
	(iii) आकड़ों की गणना/नक्शा कार्य	03 अंक	
	(iv) संदर्भ	01 अंक	
3.	मौखिक (Viva)	05 अंक	
	कुल अंक (Total)	20 अंक	

टीप :– 1. प्रायोजना कार्य पाठ्यक्रमानुसार रहेगा।

2. विषय शिक्षक प्रत्येक अध्याय के अंत में दी गयी प्रायोजनाओं को विद्यार्थियों से करावें।